



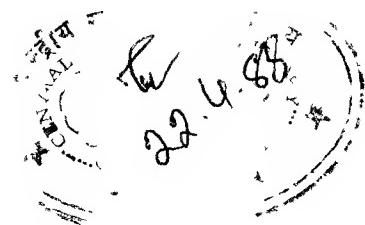
भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 26]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जनवरी 14, 1988/पौष 24, 1909

No. 26] NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 14, 1988/PAUSA 24, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी आती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)
नई दिल्ली, 14 जनवरी, 1988
अधिसूचना
सं. 3/38-संग्रह शुल्क

सा. का. नि. 31 (अ)---केन्द्रीय सरकार, सीमांशुल्क अधिनियम,
1962 (1962 का 52) की घारा 25 की उपवाया (1) द्वारा प्रदत्त
शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह सम्बधान हो जाने पर कि लोक-
हित में ऐसा करना आवश्यक है, इस अधिसूचना के उपार्वक में विनिर्दिष्ट
माल को (जिसे इसके पश्चात् उक्त माल कहा गया है) जब उसका
अण्डेवालान, नई दिल्ली में आभूषण के वितरण के लिए सोना इकरार-
ओरियटेड कम्प्लेक्स में (जिसे इसके पश्चात् उक्त कारोबार में
गया है) शत-प्रतिशत निर्वतोन्मुख उपकरण द्वारा या उक्त ओर से मारा।
बाहर नियांत के लिए अभूषण के वितरण में उक्तों के प्राप्तियों ;
लिए, भारत में अयात किया जाए, जो नामांशुल्क टैक्स फ्रॉटर, 1975
(1975 का 51) की पहचान अनुद्रवी के अंतर्गत उक्त पर उद्दीपित
संस्त दीमांशुल्क से और उक्त नामांशुल्क टैक्स फ्रॉटर के 10%

3 के अंतर्गत उस पर उद्दीपित संस्त नियोजित शुल्क से, यदि कोई हो,
निम्नलिखित शर्तों के अंतर्गत रहते हुए, छूट देती है, अर्थात्—

- (i) आयतकर्ता को उक्त कम्प्लेक्स में भारत से बाहर नियांत के
लिए अभूषण के वितरण के प्रयोजन के लिए उक्त कम्प्लेक्स
में शत प्रतिशत निर्वतोन्मुख उपकरण स्वापित करने के लिए
प्राविकृत किया गया है;
- (ii) आयतकर्ता, जहाँ कहीं अवैधित हो, भारतीय रिज़वे बैंक द्वारा
इन नियांत जारी किए गए किसी मावारा या विनिर्दिष्ट
अनुज्ञापन के आंत आता है;
- (iii) आयतकर्ता को उक्त माल के अवात के लिए आवश्यक
अनुज्ञान मंजूर की गई है;
- (iv) आयतकर्ता, सीमांशुल्क वंशावाहन और ऐसे नाम शर्तों के
अंतर्गत रहते हुए, जो नामांशुल्क प्रत्यक्ष कवरफ्टर,
परिस्थितियों को इन में रखते हुए, इन नियांत नियिदिष्ट
करे, अभूषण का नाम वितरण प्रक्रिया द्वारा नियोजित
करता है;

- (v) आयातकर्ता, 0.999 की विशुद्धता और शुद्धता वाले स्वर्ण का भारतीय स्टैट बैंक या भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय द्वारा इस प्रयोजन के लिए अभिहित किसी अन्य अधिकरण के माध्यम के सिवाय अयात नहीं करेगा और भारत सरकार की टक्कराल, मुख्यई द्वारा, ऐसों विशुद्धता और शुद्धता वाले स्वर्ण पर, पहचान चिह्न मुद्रित किया गया है,
- (vi) आयातकर्ता, सीमाशुल्क सहायक कलक्टर का यह समान करदेता है कि इस प्रकार आयातित उक्त माल का उत्तोग भारत से बाहर निर्यात के लिए अभूषण के विनिर्माण में इस जाएगा।
- (vii) आयातकर्ता, ऐसे प्ररप में और ऐसी राशि के लिए और ऐसे प्राधिकारी के पास जो सीमाशुल्क सहायक कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए, ऐसा बब्पवत्र नियमित करने के लिए कायर करता है जिसमें वह विहित मूल्यवर्धन नाहर निर्यात वाय्यतों को पूरा बरने और अन्य वाय्यों के साथ सथ इस अधिसूचना में और अनुमोदन बोर्ड द्वारा जारी दिया गया अनुमोदन पत्र या अवधारणा अधिकारीक अनुरूपता में दो गई शर्तों का पालन करने के लिए और ऐसे माल पर उद्गतप्राप्य सीमाशुल्क के बर बर रकन का माल किए जाने पर इस्य करने के लिए स्वर्ण को अवधार करता है जितकन बरे में सीमाशुल्क सहायक कलक्टर के समझानप्रद रूप में यह समर्वित नहीं किया जाता है कि उसमा निर्यात के लिए यह मूषण के विनिर्माण में उपयोग किया गया है,
- (viii) आयातकर्ता, उक्त कम्प्लेक्स में उक्त माल वा लाने और भारत से बाहर निर्यात के लिए अभूषण के निर्यातित में उक्त कम्प्लेक्स के अंतर उसका उत्तराग करने के लिए कायर करता है;
- (ix) आयातकर्ता, उक्त कम्प्लेक्स के भीतर विनिर्माण नम्बे जानुपर्णों का अनुमोदन बोर्ड द्वारा बताई गई अवधि के लिए यह ऐसी बढ़ाई गई अवधि के लिए जो अनुमोदन बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, भारत में बाहर निर्यात उठो के लिए कायर करता है;
- (x) उपरोक्त शर्त (ix) में निर्दिष्ट अवधि की समाप्ति पर; निर्यातकर्ता, निम्नलिखित शुल्क का संदाय करेगा, अर्थात्—
- (क) अवधायणित मूल्य पर पूंजी माल पर जिन्हें आयात के समय विधान संस्कृत शुल्क की दर पर सीमाशुल्क;
 - (ख) आयात के समय पर मूल्य पर और निकासी के समय प्रवृत्त सीमाशुल्क की दर पर कच्ची सामग्री और संघटक पर सीमाशुल्क;
- (xi) आयातकर्ता, माल के आयात, उपयोग और उपयोग का तथा अपने द्वारा किए गए निर्यात का समुचित लेखा रखेगा और ऐसा लेखा, सीमाशुल्क सहायक कलक्टर को, ऐसे प्ररप में, ऐसी रीति से, ऐसे अंतरालों पर और ऐसे समय के भीतर प्रस्तुत करेगा जो सीमाशुल्क कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए;
- (xii) आयातकर्ता यह करते करता है कि उक्त कम्प्लेक्स में विनिर्माण अभूषण को जिसके अंतर्गत उसके अनियंत्रित, कवर और प्रतिक्षेपण हैं, भारत में किसी अन्य स्थान पर किया जा पाया के लिए नहीं लाया जाएगा;
- (xiii) उस दशा में जब कोई गारनिट निर्यात द्वारा अंकित बंद कर देता है तब अभूषण के विनिर्माण के लिए स्वर्ण, अन्य बहुमूल्य धातु, मिश्र-धातु, रत्न और अन्य सामग्री का ऐसे व्यक्ति, उक्त कलक्टर या विनिर्माण ये ग्राहण करेगा जिसे भारत सरकार के बजेत्र सवाला इस निमित्त विनिर्दिष्ट करे,
- (xiv) उक्त विनिर्माण प्रक्रिया या उक्त कलक्टर में उक्त स्वर्ण की हानि, जो जड़ाऊ अभूषणों की दशा में तोत प्रतिशत या मर्गत निर्यात द्वारा अभूषणों द्वारा दशा में भी प्रतिशत से अधिक होते हैं, ऐसी शर्त जो पूरा रहे पर, जो सीमाशुल्क कलक्टर विनिर्दिष्ट द्वारा ठीक नाहे, ऐसे शुल्क सहायक कलक्टर द्वारा अनुमत की जाएगी; और दुहड़ों और जड़ाऊ और वैसे ही वस्तुओं की दशा में, अनुमत हति का अवधारण निर्यातित प्रत्येक दुहड़े, जड़ाऊ और वैसे ही वस्तु में स्वर्ण ही माल के भार तरीका नहीं है; ज एक;
- (xv) इस अधिकूवता के अंतर उक्त न त अ, जो पूंजी माल से मिल है, अयात और निर्यात, इस दशा में अनुमत का अवधारण निर्यातित प्रत्येक दुहड़े, जड़ाऊ और वैसे ही वस्तु में स्वर्ण ही माल के भार तरीका नहीं है।
- स्वदेशीकरण--इस अधिकूवता के प्राप्ति के लिए--
- (क) “अनुमोदन बोर्ड” से ऐसा बोर्ड अनियंत्रित है जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 की उपधारा (1) के संशोधन 2 के खंड (ii) में विनियमित है;
 - (ख) “शतत्रिशत निर्यातनुब उत्पाद” का बहु जर्म होग जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के उत्पादार (1) के संशोधन-2 के खंड (ii) में है;
 - (ग) “झण्डेवालन, नर्द दिल्ली म अभूषण के विनिर्माण के लिए स्पेयल एक्सप्रोट अपरिवर्तेड कम्प्लेक्स में झण्डेवालन फ्लैटेड फैक्टरी कम्प्लेक्स, नर्द दिल्ली के बन क एफ और जी सम्बिल हैं।

उपवंश

माल का वर्णन

1. पूंजी माल
2. कच्ची सामग्री
3. संघटक
4. उत्पादन मशीनरी के फालतू पुर्जे
5. माल के विनिर्माण के लिए अपेक्षित खप ने वाली सामग्री
6. विनिर्माण कियाकलाप के अंतर्गत आने वाली प्रत्येक प्रकार की वस्तुओं के दो से अन्यक नमूने प्रोटोटाइप
7. विनिर्माण कियाकलाप से सर्वाधित आरेखन, ब्लूप्रिंट, तकनीकी मानचित्र और चार्ट
8. पैकेज सामग्री
9. औजार, जिग, प्रभाषी, फिस्चर, मांचे, डाई, उपकरण और उपसाधन।

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)
New Delhi, the 14th January, 1986

NOTIFICATION

No. 3-CUSTOMS/88

G. S. R. 31(E) :—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts the goods specified in the Annexure to this notification (hereinafter referred to as the said goods), when imported into India for the purpose of use in the manufacture of jewellery for export out of India, by or on behalf of a hundred per cent export oriented undertaking in the Special Export Oriented Complex for the manufacture of jewellery at Jhandewalan, New Delhi (hereinafter referred to as the said Complex), from the whole of the duty of Customs leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), and from the whole of the additional duty, if any leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act, subject to the following conditions, namely :—

- (i) the importer has been authorised to establish a hundred per cent export oriented undertaking in the said Complex for the purpose of manufacture of jewellery for export out of India;
- (ii) the importer is covered, wherever required by a general or specific permit issued in this behalf by the Reserve Bank of India;
- (iii) the importer has been granted necessary licence for the import of the said goods;
- (iv) the importer carries out the manufacturing process or other operations in respect of jewellery in customs bond and subject to such other conditions as the Assistant Collector of Customs may, having regard to the circumstances of the case, specify in this behalf;
- (v) the importer shall not import gold of 0.999 fineness and purity except through the State Bank of India or any other agency designated for the purpose by the Government of India in the Ministry of Commerce and the identification mark on the gold of such fineness has been stamped by the India Government Mint, Bombay;
- (vi) the importer satisfies the Assistant Collector of Custom that the said goods so imported shall be used in the manufacture of jewellery for export out of India;
- (vii) the importer agrees to execute a bond in such form and for such sum and with such authority as may be specified by the Assistant Collector of Customs binding himself to fulfil the export obligation with the prescribed value addition and to fulfil, inter alia, the conditions stipulated in this notification and

in the Letter of Approval or Intent or the Industrial Licence issued by the Board of Approval and to pay on demand an amount equal to the duty of customs leviable on the said goods as are not proved to the satisfaction of the Assistant Collector of Custom to have been used in the manufacture of the jewellery for export;

- (viii) the importer agrees to bring the said goods into the said Complex and use them within the said Complex in the manufacture of jewellery for export out of India;
- (ix) the importer agrees to export out of India all the jewellery manufactured within the said Complex for the period stipulated by the Board of Approval or such extended period as may be specified by the Board of Approval;
- (x) on expiry of the period referred to in condition (ix) above, the importer shall pay the following duties, namely :—
 - (a) duty of customs on capital goods on depreciated value but at the rates of duty of customs prevalent at the time of import ;
 - (b) duty of customs on raw materials and on components on the value at the time of import and at the rates of duty of customs in force at the time of clearances ;
- (xi) the importer shall maintain a proper account of import, consumption and utilisation of the said goods and of exports made by him and shall submit such account to the Assistant Collector of Customs, in such form, in such manner, at such intervals and within such time, as may be specified by the Collector of Customs ;
- (xii) the importer agrees that the jewellery, including the waste, refuse and rejects thereof, manufactured in the said Complex, shall not be brought to any other place in India, for whatever purpose ;
- (xiii) in the event of such a hundred per cent export oriented undertaking ceasing its operations, gold, other precious metals, alloys, gems and other material for the manufacture of jewellery shall be transferred to such person, undertaking, agency or authority, as the Government of India in the Ministry of Commerce may specify in this behalf ;
- (xiv) the loss of gold in the said manufacturing process or other operations, not exceeding three per cent in the case of studded jewellery, and two per cent in the case of hand-crafted or machine made plain jewellery, may be allowed by the Assistant Collector of Customs subject to fulfilment of such conditions as the Collector of Customs may think fit to specify, and in the case of findings and mountings and the like, loss allowed shall be determined on the basis of the

weight of the gold content of each findings mountings and the like exported;

- (xv) the import and export of the said goods, other than the capital goods, under this notification shall be allowed only by air-freight through the Customs Airport at Delhi.

Explanation :—For the purposes of this notification,—

- (a) "Board of Approval" means the Board referred to in clause (ii) of Explanation 2 to sub-section (1) of section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944);
- (b) "hundred per cent export oriented undertaking" shall have the same meaning as in clause (ii) of Explanation 2 to sub-section (1) of section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944);
- (c) "Special Export Oriented Complex for the manufacture of jewellery at Jhandewalan, New Delhi" shall comprise of Blocks F and G of the Jhandewalan Flatted Factory Complex, New Delhi.

ANNEXURE

Description of goods

1. Capital goods.
 2. Raw Materials.
 3. Components.
 4. Spares of production machinery.
 5. Consumables required for manufacture of goods.
 6. Samples prototype, not exceeding two in number, of each type of articles covered by the manufacturing activity.
 7. Drawing, blue-prints, technical maps and Charts, relating to the manufacturing activity.
 8. Packaging materials.
 9. Tools, Jigs, Gauges, Fixtures, Moulds, Dies, Instruments and Accessories.
- [No. 3—Customs|88-F. No. 305|26|86-FTT.]

अधिसूचना

सं. 4/88—सीमाशुक्र

सा. का. नि. 32 (व) :—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1987 (1987 का 1) की धारा 93 की उम्मीद (4) के मा पटें सीमाशुक्र अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उम्मीद (1) द्वारा प्रदत्त शब्दों का प्रयोग करते हुए, आज यह उम्मीद हो जाने पर कि लक्षित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त भेत्रात्मक (राजस्व विभाग) की अधिसूचना म. 207/87-सीमाशुक्र, तारीख 12 मई, 1987 ना निम्नलिखित संशोधन करते हैं, प्रयत्नः—

"उक्त अधिसूचना की अनुमोदी में, क्रम म. 109 और उनसे निम्नलिखित क्रम सं. और प्रक्रिया संशोधन का जाएगी, अर्थात् :—

"310 सं. 3 सीमाशुक्र, तारीख 14 जनवरी, 1983"

[म. 4-सीमाशुक्र/88-ए. एफ. सं. 305/26/86-एफ टी टी]

आर. के. कपूर, जनर सचिव

NOTIFICATION

No. 4/88-CUSTOMS

G. S. R. 32 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 93 of the Finance Act, 1987 (11 of 1987), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 207/87-Customs, dated the 12th May, 1987, namely :—

In the Schedule to the said notification, after S. No. 309 and the entry relating thereto, the following S. No. and entry shall be inserted, namely :—

"310 No. 3 Customs, dated the 14th January, 1988".

[No. 4-Customs|88-F. No. 305|26|86-FTT.]

R. K. KAPOOR, Under Secy.*